दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

PHILOSOPHY (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) मानववाद के उदय में प्रबोधन (एनूलाइटनमेन्ट) आन्दोलन की भूमिका की विवेचना कीजिए।

Discuss the role of enlightenment movement in the rise of humanism.

(b) व्यक्तिवाद तथा सार्वभौमिक मताधिकार के युग में राज-निकाय (बॉडी-पॉलिटिक) में जाति की क्या भूमिका है? विवेचना कीजिए।

In the age of individualism and universal franchise, what role does caste play in body-politic? Discuss.

(c) क्या भ्रष्टाचार एक तंत्रगत विषय है अथवा एक नीतिशास्त्रीय विषय? अपनी समालोचनात्मक टिप्पणियाँ प्रस्तुत कीजिए।

Is corruption a systemic issue or an ethical issue? Give your critical comments.

(d) ''सम्पूर्ण स्वतन्त्रता असमानता को जन्म दे सकती है, जबकि व्यवस्था तथा प्रतिबन्ध से अनिवार्यतः स्वतन्त्रता के ह्रास का फलन होता है।'' समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

''Complete liberty may lead to inequality while order and restrictions imply a necessary loss of freedom.'' Critically discuss.

(e) मृत्युदण्ड के पक्ष में कौन-सी नैतिक युक्तियाँ सम्भव हैं? विवेचना कीजिए।

What are the moral justifications of capital punishment? Discuss.

2. *(a)* यह सिद्ध करने के लिए कि सम्प्रभुता परमतात्त्विक, निरंतर तथा अविभाजित होनी चाहिए, बोडिन कौन-सी युक्तियाँ प्रस्तुत करते हैं? क्या बोडिन की सम्प्रभुता की अवधारणा समानता, न्याय तथा स्वतन्त्रता के सामाजिक तथा राजनैतिक आदर्शों के साथ सुसंगत है? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

What arguments does Bodin present to contend that sovereignty must be absolute, perpetual and undivided? Is Bodin's conception of sovereignty compatible with the social and political ideals of equality, justice and liberty? Critically discuss. 20

(b) जातिगत भेदभाव के निर्मूलन पर गाँधी के विचारों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Critically evaluate Gandhi's views on eradication of caste discrimination. 15

(c) मार्क्स के दर्शन के सन्दर्भ में साम्यता (इक्विटि) तथा समानता की अवधारणाओं के बीच अन्तर की व्याख्या कीजिए।

Explain the difference between the notion of equity and equality with reference to Marxian philosophy. 15

3. *(a)* क्या आप सहमत हैं कि आर्थिक विकास स्वयमेव मानव विकास तथा सामाजिक प्रगति में परिणित नहीं होता? अपने उत्तर के लिए तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

Do you agree that economic development does not on its own lead to human development and social progress? Give reasons and justifications for your answer. 20

(b) एक सांस्कृतिक कोटि के रूप में लिंग-जाति (जेन्डर) तथा एक जीववैज्ञानिक कोटि के रूप में लिंग-भेद (सेक्स) के बीच विरोधाभास की विवेचना कीजिए।

Discuss gender as a cultural category as opposed to sex as a biological category. 15

(c) बहुसंस्कृतिवाद के विवरणात्मक तथा नियामक पक्षों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Critically analyze the descriptive and normative aspects of multiculturalism. 15

4. *(a)* शासन के लोकतान्त्रिक स्वरूप के सम्मुख चुनौती के रूप में अतिप्रचार (प्रोपेगैन्डा) की व्याख्या कीजिए।

Discuss propaganda as a challenge to democratic form of government. 20

(b) क्या अप्रतिबन्धित अधिकारों की अवधारणा अनिवार्यतः अव्यवस्था में परिणित होती है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Does idea of unconditional rights necessarily lead to anarchy? Critically examine. 15

(c) क्या एकाधिपत्य (मोनार्कि) तथा धर्मतन्त्र (थिओक्रेसी) अनिवार्यतः सम्बन्धित हैं? दैविक अधिकार सिद्धान्त के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

Are monarchy and theocracy necessarily related? Discuss with reference to the theory of Divine Right. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) स्पिनोजा की ईश्वर तथा उसकी विशेषताओं की अवधारणा पर एक निबंध लिखिए।

Write an essay on Spinoza's notion of God and His attributes.

(b) "धर्म के बिना नैतिकता सम्भव है किन्तु नैतिकता के बिना धर्म सम्भव नहीं है।" विवेचना कीजिए।

"One can have morality without religion but not religion without morality." Discuss.

(c) "आत्मा की अमरता पुनर्जन्म के लिए एक अनिवार्य आधारतत्त्व है।" बौद्धधर्म के सन्दर्भ में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"Immortality of Soul is a necessary postulate for rebirth." Critically examine with reference to Buddhism.

(d) क्या आस्था की अवधारणा इलहाम (रेविलेशन) की अवधारणा के लिए अपरिहार्य है? समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

Is the notion of faith indispensable for the idea of revelation? Critically comment.

(e) ''ईश्वर सत्तावान है''—इस वाक्य के सन्दर्भ में धार्मिक भाषा सम्बन्धित संज्ञानात्मक (कॉग्निटिविस्ट) तथा असंज्ञानात्मक (नॉन्-कॉग्निटिविस्ट) दृष्टिकोणों में भेद की व्याख्या कीजिए।

Explain the difference between the cognitivist and non-cognitivist approaches to the religious language with reference to the statement—''God exists''.

6. (a) ईश्वर की सत्ता प्रमाणित करने के लिए सेंट थॉमस एक्वाइनस द्वारा प्रदत्त विभिन्न युक्तियों, जिन्हें 'पाँच मार्ग (फाइव वेस)' भी कहा जाता है, की समालोचनात्मक व्याख्या प्रस्तुत कीजिए। इनमें से कौन आपको दार्शनिक रूप से सबसे रोचक लगती है? अपने उत्तर के समर्थन में युक्तियाँ प्रस्तुत कीजिए।

Present a critical exposition of different arguments offered by St. Thomas Aquinas to prove the existence of God also known as 'Five Ways'. Which one of them do you find philosophically most interesting? Give reasons in support of your answer. 20

(b) रामानुजाचार्य के अनुसार ईश्वर तथा आत्मा के बीच सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

Explain the relation between the God and the Self according to Rāmānujācārya. 15

(c) यदि ईश्वर परम सृजनकर्ता है, तो अनिष्ट (इविल) का उत्तरदायित्व मानवकर्ता से सम्बद्ध नहीं हो सकता। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

If God is the Absolute Creator, then the responsibility of the evil cannot belong to the human agent. Critically examine. 15

7. (a) ''केवल एक परम सत्य की अविवाद्य स्वीकार्यता अपरिहार्य रूप से धार्मिक व्यावर्तकतावाद में फलित होगी।'' व्याख्या कीजिए।

''An unquestionable acceptance of only one Absolute Truth will inevitably result in religious exclusivism.'' Discuss. 20

(b) क्या एक यथार्थ कर्ता की अवधारणा के बिना मोक्ष की अवधारणा सम्भव है? इस सन्दर्भ में अद्वैत तथा विशिष्टाद्वैत दर्शन के बीच अन्तर की विवेचना कीजिए।

Is it possible to have an idea of Liberation without the conception of a real agent? In this context, discuss the difference between Advaita and Viśiṣṭādvaita systems of thought. 15

(c) विलियम जेम्स द्वारा प्रस्तुत धार्मिक अनुभवों के स्वरूप तथा प्रकारों की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature and variety of religious experiences as presented by William James. 15

8. *(a)* ईश्वर की सत्ता के लिए प्रागनुभविक तथा अनुभवसापेक्ष युक्तियों के बीच अन्तर के मुख्य बिन्दुओं की विवेचना कीजिए। आप इनमें से किसको अन्य पर अधिक वरीयता देंगे? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

Discuss the main points of distinction between a priori and a posteriori arguments for the existence of God. Which one according to you should be preferred over the other? Give reasons and justifications for your answer. 20

(b) जैन दर्शन के अनुसार आत्मा तथा बंधन के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature of Soul and Bondage according to Jainism. 15

(c) शंकर के अद्वैत दर्शन में ब्रह्म की अवधारणा का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। क्या शंकर की ब्रह्म की अवधारणा में ईश्वरवाद के लिए कोई स्थान शेष है? विवेचना कीजिए।

Critically examine the idea of Brahman in Advaita philosophy of Śaṁkara. Does Śaṁkara's conception of Brahman leave room for theism? Discuss. 15

★ ★ ★